



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 14]

नई दिल्ली, बुधवार, नवम्बर 11, 1982/कार्तिक 20, 1904

No. 14]

NEW DELHI, THURSDAY, NOVEMBER 11, 1982/KARTIKA 20, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

केन्द्रीय होम्योपैथी परिषद्

शक्ति पत्र

नई दिल्ली, 10 नवम्बर 1982

सं० 7-1/82-सी०सी०एच०—भारत के राजपत्र असाधारण सं० 2
दिनांक 16 मार्च, 1982 के भाग III—खण्ड 4 में प्रकाशित केन्द्रीय होम्यो-
पैथी परिषद् की अधिसूचना सं० 7-1/82-सी० सी० एच० दिनांक 15 मार्च,
1982 के हिन्दी अनुवाद में निम्नलिखित शुद्धियाँ की गयी हैं, अर्थात्—

- (i) अधिसूचना की तारीख, '5 मार्च' के स्थान पर "15 मार्च"
पढ़ी जाय।
- (ii) प्रस्तावना की पंक्ति 1 में "कल्प" के स्थान पर "परिषद्" पढ़ा
जाय।
- (iii) अनुच्छेद 1 के स्थान पर निम्नलिखित अनुच्छेद प्रतिस्थापित
किया जाय, अर्थात्—
"1 इन विनियमों का संक्षिप्त नाम होम्योपैथिक चिकित्सा
व्यवसायी (वृत्तिक आचरण, शिष्टाचार और नैतिकता संहिता)
विनियम 1982 है।"
- (iv) अनुच्छेद 1 के बाद, "1 मोषणा और शपथ" के स्थान पर "I
मोषणा और शपथ" पढ़ा जाय।
- (v) अनुच्छेद 2 की उपधारा (3) व (4) में "रहगा" के स्थान
पर "बढ़ा" पढ़ा जाय।

- (vi) अनुच्छेद 2 की उपधारा (8) में, 'रहगा' के स्थान पर
'बढ़ा' पढ़ा जाय।
- (vii) अनुच्छेद 2 के बाद "2 माधायण सिद्धान्त" के स्थान पर
"II—माधायण सिद्धान्त" पढ़ा जाय।
- (viii) अनुच्छेद 3 में बाँध की ओर से पंक्ति 3 में यह के स्थान पर
पर "बहु" पढ़ा जाय।
- (ix) अनुच्छेद 3 की पंक्ति 3 में 'कार्यो' के स्थान पर
"कार्यो" पढ़ा जाय।
- (x) अनुच्छेद 4 की पंक्ति 3 में 'होम्योपैथी का' के स्थान पर
"होम्योपैथी के" पढ़ा जाय।
- (xi) अनुच्छेद 5 की पंक्ति 5 में, "अन्तरित" के स्थान पर "अन्त-
निहित" पढ़ा जाय।
- (xii) अनुच्छेद 6 में "(1) विज्ञापन" के स्थान पर "विज्ञापन—
(1)" पढ़ा जाय।
- (xiii) अनुच्छेद 6 की पंक्ति 4 में, "याचना" के स्थान पर "याचना"
पढ़ा जाय।
- (xiv) अनुच्छेद 6 की पंक्ति 6 में, "रीति में" के स्थान पर "रीति"
पढ़ा जाय।
- (xv) अनुच्छेद 6 की पंक्ति 13 में, "मोषणा" के स्थान पर "मोषणा"
पढ़ा जाय।

- (xvi) अनुच्छेद 6 की उपधारा (5) में, "तारीख" के स्थान पर "तारीख" पढ़ा जाय।
- (xvii) अनुच्छेद 8 की पंक्ति 2 में "माथी" के स्थान पर "मायी" व "अग्रय" के स्थान पर "अन्य" पढ़ा जाय।
- (xviii) अनुच्छेद 8 की पंक्ति 3 में, "करन" के स्थान पर "करने" पढ़ा जाय।
- (xix) अनुच्छेद 8 के बाद, खण्ड "3" को "III" पढ़ा जाय।
- (xx) अनुच्छेद 11 में, उपचार शब्द के पहले "(क)" लगाया जाय।
- (xxi) अनुच्छेद 12 (2) की पंक्ति 1 में, "वसी" के स्थान पर "वैसी" पढ़ा जाय।
- (xxii) अनुच्छेद 12 (4) की अन्तिम पंक्ति में, "ह्री" के स्थान पर "ही" पढ़ा जाय।
- (xxiii) अनुच्छेद 13 की पंक्ति 2 में, व्यवसायी शब्द के पञ्चम "का" लगाया जाय।
- (xxiv) अनुच्छेद 15 की प्रथम पंक्ति में, "अग्रसूचना" के स्थान पर "अग्रसूचना" पढ़ा जाय।
- (xxv) अनुच्छेद 16 के बाद, खण्ड "4" को "IV" पढ़ा जाय।
- (xxvi) अनुच्छेद 18 की पहली पंक्ति में, "का" के स्थान पर "को" पढ़ा जाय।
- (xxvii) अनुच्छेद 19 की पंक्ति 2 में, "क" के स्थान पर "के" पढ़ा जाय।
- (xxviii) अनुच्छेद 20 की पंक्ति 3 में, होम्योपैथी शब्द के बाद "किमी" शब्द का लोप कर दिया जाय।
- (xxix) अनुच्छेद 23 (2) की पंक्ति 2 में, "आवयिक" के स्थान पर "आवयक" पढ़ा जाय।
- (xxx) अनुच्छेद 23 (3) के बाद, अनुच्छेद "42" के स्थान पर "24" पढ़ा जाय।
- (xxxi) अनुच्छेद 25 के बाद, खण्ड "5" को "V" पढ़ा जाय।
- (xxxii) अनुच्छेद 28 की अन्तिम पंक्ति में, "बःली" के स्थान पर "बःले" पढ़ा जाय।
- (xxxiii) अनुच्छेद 30 की पहली पंक्ति में, परामर्श शब्द से पहले "(1)" रखा जाय।
- (xxxiv) अनुच्छेद 31 की पंक्ति 3 में, "कक" के स्थान पर "कि" पढ़ा जाय।
- (xxxv) अनुच्छेद 33 (1) की पहली पंक्ति में, "अपने" के स्थान पर "अपने" पढ़ा जाय और पंक्ति 4 में "के" शब्द का लोप कर दिया जाय।
- (xxxvi) अनुच्छेद 34 के बाद, खण्ड "6" को "VI" पढ़ा जाय।
- (xxxvii) अनुच्छेद 37 के बाद, खण्ड "7" को "VII" पढ़ा जाय।

(xxxviii) अनुच्छेद 38 (13) की पहली पंक्ति में, "म" के स्थान पर "में" पढ़ा जाय। और "का" के स्थान पर "तथा" पढ़ा जाय।

डा० पी० एल० वर्मा, सचिव,
केन्द्रीय होम्योपैथी परिषद

CENTRAL COUNCIL OF HOMOEOPATHY

CORRIGENDUM

New Delhi, the 10th November, 1982

No. 7-1/82-CCH.—In the notification No. 7-1/82-CCH dated the 15th March, 1982 of the Central Council of Homoeopathy published in Part III, Section 4 of the Gazette of India Extraordinary No. 2 dated the 16th March, 1982, the following corrections are made in the English version, viz., :—

- (i) In the preamble, in line 2, For '(f)' Read '(1)'.
- (ii) In the preamble, in line 4, For 'previous' Read 'pre-vious'.
- (iii) In para 2, item (5), For 'consience' Read 'conscience'.
- (iv) In para 2, item (7), For 'confined' Read 'confided'.
- (v) After para 2, For the heading 'II-Central Principles' Read 'II-General Principles'.
- (vi) In para 3, in line 5, the oblique between the words 'profession' and 'assume' may be omitted.
- (vii) In para 4, in line 2, For 'highests' Read 'highest'.
- (viii) In para 6(1), in line 4 For 'of' Read 'or'.
- (ix) In para 6(1), in line 6, after the words 'use of' a coma may be added.
- (x) In para 6(1), in the line 10, For 'self-aggrandisment' Read 'self-aggrandisement'.
- (xi) In para 7(2), in line 2, For 'recognise' Read 'recognise'.
- (xii) In para 8, in line 7, For 'appliaces' Read 'appliances'.
- (xiii) In para 10(2), in line 2, For 'be' Read 'he'.
- (xiv) In para 11(b), in line 3, the word 'that' may be omitted.
- (xv) In para 15, For 'Prognos's' Read 'Prognosis'.
- (xvi) In para 29, in line 4, For 'candidate' Read 'candid'.
- (xvii) In para 30, in line 2, after the word 'insincerity', a coma may be added.
- (xviii) In para 30, in line 4, For 'an dno' Read 'and no'.
- (xix) In para 35, For 'Practitioner' Read 'Practitioners'.
- (xx) In para 36, in line 1, For 'Practitioner' Read 'Practitioners'.
- (xxi) In para 36, in line 4, For 'provention' Read 'pre-vention'.
- (xxii) In para 38, item (4), For 'Drugs' Read 'Drugs'.
- (xxiii) In para 38, item (6), in line 1, For 'of' Read 'or'.
- (xxiv) In para 38, item (12), For 'tours' Read 'touts'.

DR. P. L. VERMA, Secy.
Central Council of Homoeopathy